Samyak
An Institute For Civil Services

IP.

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि-II - 010

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 200**

लोक प्रशासन एवं प्रबंधन की अवधारणाएँ मुद्दे एवं गत्यात्मकता
Concepts, Issues and Dynamics of Public Administration and Management

Paper - III (Unit - II)

			MARKS	
Name :				
Enroll. No.:		Part	Attempted Questions	Marks Obtained
Date of Birth :		Part - A	24	37
Medium :	Hindi	Part - B	16	45½
E-mail :		Part - C	07	33
Exam Date :	14/04/2024	Total	47	115½
Invigilator's Signature :				
ECN: SID-	RCN:	Hindi: 11½	English: 09½	

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
3. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
   Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.
4. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
   Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?				
a.	**Answer Relevancy**				
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · **Key Terms/** Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. **Association with the Current Affairs** and use of examples to explain the concept and idea				
2.	**HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?**				
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion				
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps				
c.	**Language & Grammar**				
d.	**Word limit**				

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव

1.

1 डाईग्राम/फ्लोचार्ट का प्रयोग करें [Part A प्रश्न - 7]

2 स्पष्ट लेखन का अभाव वर्तनी सम्बधित अशुद्धियां कम करें

3 अच्छा प्रयास है तथ्यों की जानकारी अच्छी लेकिन प्रश्न करने पूर्व भूमिका बनाने का अभाव है (Part-C-प्रश्न-1)

4. बिन्दुवार लेखन का अभाव [Part C-प्रश्न-2]

5. विषय की जानकारी अच्छी है निरन्तर अभ्यास करते रहें,

6. Hindi English पर विशेष ध्यान दें।

7. Book/Notes का रिवीजन करते रहें।

8. अच्छा प्रयास है निरन्तर जारी रखें।

Part - A

Note : Answer the following questions in 15 words. Each question carries 2 marks.

नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 15 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. 'नव लोक सेवा प्रतिमान' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
Explain the concept of 'New Public Service Model'.

1

– उद्यमिता की बजाय नागरिकों को महत्व दिया

परिभाषा – ? डेनहार्ट ने 2003 में

नव लोक सेवा प्रतिमान – इससे तात्पर्य प्रशासन में प्रबंधन की तरह कार्यकुशलता, मितव्ययता, से तथा लोकप्रशासन की तरह लोककल्याणकारी प्रतिमान से है। जो समावेशी, पारदर्शी, उत्तरदायी व जवाबदेहिता युक्त शासन। सेवा प्रदान करता है। यह आर्थिक दौर / आर्थिक-उथल पुथल के बाद का प्रतिमान है

ग्राहकों के बजाय नागरिकों की सेवा

(Write above this line only)

सार्वजनिक हितों को पहचानते

2. जोसिया स्टैम्प के द्वारा उल्लेखित सिद्वान्त जो लोक प्रशासन को निजी प्रशासन से अलग करते हैं, कौन-कौनसे हैं?
What are the theories mentioned by Josiah Stamp that differentiate public administration from private administration?

इनके अनुसार पदसोपानिक व्यवस्था, लोक प्रशासन – राजनीतिक डिविजन, विकेन्द्रीकरण, कार्यों की प्राप्ति हेतु सामूहिक प्रयास लोक प्रशासन को निजी प्रशासन से अलग करते हैं

1

जन जवाबदेही का सिद्धान्त

सेवा प्रेरणा का सिद्धान्त

(Write above this line only)

3. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा प्रतिपादित सुशासन के तत्त्वों/घटकों के नाम लिखिए।
Name the elements/components of good governance propounded by the United Nations Development Programme.

UDNP द्वारा – (1) समावेशी विकास (6) भागीदारी सहभागिता

1½

(2) धारणीय विकास (7) गुड governance

(3) पर्यावरण हितैषी विकास

(4) पारदर्शिता, जवाबदेहिता, समावेशिता, सहभागिता

(5) ~~भ्रष्टाचार से मुक्ति~~

(Write above this line only)

लैंगिक समानता, उत्तरदायित्व

4. परिवर्तन के प्रतिरोध के मनोवैज्ञानिक कारणों को लिखिए।
Write the psychological reasons for resistance to change.

1½

परिवर्तन के प्रतिरोध मे मनोवैज्ञानिक कारण -

नेतृत्व मैं अविश्वास उत्पन्न होना

① संगठन की संरचना में बदलाव ④ प्रबंधक के मना होने का डर

② व्यापार की आवश्यकता ⑤ कर्मचारियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण

③ अन्य कर्मचारियों से अनुकूलता ⑥ आर्थिक हानि का डर

(Write above this line only)

5. मूने तथा रैले द्वारा आदर्श संगठन के लिए प्रतिपादित सिद्धान्तों के नाम लिखिए।
Write the names of the principles propounded by Mooney and Reiley for ideal organization.

2

मुने व रैले - Book - principle of public administration

चार सिद्धांत - ① तालमेल का सिद्धांत - समन्वय बनाना

② स्केलिंग प्रक्रिया - पद सोपान के समान

③ कार्य का विभाजन का सिद्धांत

④ लाइन व स्टाफ प्रशिक्षण सिद्धांत

(Write above this line only)

6. लोक प्रशासन के विकास के द्वितीय चरण के दौरान रचित प्रमुख रचनाओं के नाम सह-रचयिता लिखिए।
Write the names of the major works written during the second phase of development of public administration with the names their authors.

2

द्वितीय चरण - सिद्धांतो का स्वर्णकाल - (1927-1937)

① विलोबी - (1927) - principle of public administration

② मुनें व रैले (1930) - onward industry

③ उर्विक व गुलिक - (1937) - papers on the science of public administration

विलोय - 14 सिद्धांत, मुनें व रैले - 4, गुलिक - 10, उर्विक (29)

(Write above this line only)

7. एफ.डब्ल्यू.टेलर द्वारा प्रतिपादित 'कार्यात्मक फोरमैनशिप' के सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए।
Comment on the theory of 'Functional Foremanship' propounded by F.W.Taylor.

1½

शास्त्रीय विचार - वैज्ञानिक प्रबंध के सिद्धांत में कार्यात्मक फॉरमैनशिप

कार्यात्मक फोरमैनशिप - इससे तात्पर्य संगठन में श्रम विभाजन की

डाईग्राम = ? [illegible] तकनीक से उत्पादन हेतु लोगों/कर्मचारियों

की नियुक्ति - ① 4 व्यक्तियों की नियुक्ति - कार्य नियोजन हेतु
② 4 व्यक्तियों की नियुक्ति - कार्य क्रियान्वयन हेतु

(Write above this line only)

8. लोक प्रशासन को कला तथा विज्ञान के रूप में परिभाषित करने वाले विद्वानों के नाम लिखिए।
Write the names of the scholars who defined public administration as art and science.

कला के रूप में - विलोबी, L.D व्हाइट (white), [illegible] (मीड, चार्ल्सवर्थ)

विज्ञान रूप में - साइमन, लूथर गुलिक, [illegible], गुलिक
फेयोल, गुलिक

1

(Write above this line only)

9. 'कैमरलवाद' पर टिप्पणी लिखिए।
Comment on 'Cameralism'. 18वीं सदी में जर्मनी व ऑस्ट्रिया में सरकारी मामलों में व्यवस्थित प्रबन्धन से जुड़े विद्वानों द्वारा शोध

कैमरलवाद - से तात्पर्य प्रशासन में कार्यकुशलता, मितव्ययता

उत्तरदायित्व अपकार प्रबन्ध के माध्यम से कल्याणकारी

अवधारणा की पूर्ति की जाती

½

(Write above this line only)

10. निर्देश की एकता व आदेश की एकता में दो अन्तर लिखिए।
Write two differences between unity of instructions and unity of orders.

आदेश की एकता	निर्देश की एकता
① एक कर्मचारी को एक उच्च अधिकारी द्वारा आदेश (हेनरी फेयोल)	① इससे तात्पर्य एक कर्मचारी को एक समय में एक ही अधिकारी निर्देश प्रदान करेगा। उसके अनुरूप कार्य
② एक स्रोत - एक कर्ता	② निर्देश देने की क्षमता / निर्देश देना (उचित निर्देश)
③ प्रशासन में समन्वय वृद्धि	③ निर्देश का पालन आसान

2

(Write above this line only)

11. 'क्षतिकारी शक्ति' पर टिप्पणी लिखिए।
Write note on 'Destructive power'.

1½

क्षतिकारी शक्ति - क्षतिकारी शक्ति से तात्पर्य उस क्षमता व योग्यता से है जिसका प्रयोग अर्थ, भय व दण्ड के आधार पर दूसरे को हानि पहुँचाने के लिए अनैतिक रूप से प्रयोग की जाती है। यह भौतिक बल के रूप में व धार्मिकता की कमी से युक्त होती है।

नकारात्मक स्वरूप जिसे दंडित शक्ति भी कहा जाता है।

(Write above this line only)

12. वैधता के सन्दर्भ में 'विश्वास सिद्धान्त'
'Trust theory' in the context of Legitimacy.

1½

मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित धारणा

विश्वास सिद्धांत - वैधता एक मनोवैज्ञानिक तत्व है। जो शासक पक्ष व शासित पक्ष के मध्य विश्वास व सहमती के रूप में व्यक्त की जाती है। इससे परस्पर विश्वास व सहयोग बना रहता है।

विश्वास शक्ति को वैध बनाता है।

प्लेटो - राजसत्ता व बाप के शासन के स्वैच्छिक आधार वैधता का आधार होता है जब दोनों में असहमती / विश्वास हानि होती है।

यह सहयोग, विचारों में समायोजन, संविधान शासन से दूर किया जा सकता है।

(Write above this line only)

तीन प्रकार की वैधता। ① परम्परागत ② चमत्कारिक ③ तार्किक

13. उर्विक द्वारा प्रतिपादित आठ सिद्धान्त
Eight principles propounded by Urwick

उर्विक ने गुलिक, मुनैब रैले, फेयोल आदि को मिलाकर सिद्धांत दिये

(1) नियोजन करना (4) समायोजन करना (7) निर्देशन

(2) संगठन का निर्माण (5) परस्पर समन्वय (8) नियंत्रण

(3) प्रतिवेदन (6) मूल्यांकन

(Write above this line only)

14. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष/सदस्यों की नियुक्ति के सन्दर्भ में राज्यपाल को सिफारिश प्रदान करने वाली समिति की संरचना या संगठन को लिखिए।
Write the structure or organization of the committee that provides recommendations to the Governor regarding the appointment of Chairman/Members of Rajasthan State Human Rights Commission.

अध्यक्ष/सदस्यों की नियुक्ति हेतु संरचना/समिति – 1 अध्यक्ष + 2 सदस्य

(1) मुख्यमंत्री (4) विधानसभा विपक्ष का नेता

(2) गृहमंत्री (कैबिनेट मंत्री) तथा जिन राज्यों में विधानपरिषद् है वहाँ विधानपरिषद् अध्यक्ष

(3) विधानसभा का अध्यक्ष व विपक्ष का नेता

(Write above this line only)

15. 'कार्यगत उत्तरदायित्व' को परिभाषित कीजिए।
Define 'Functional responsibility'.

Good

कार्यगत उत्तरदायित्व – किसी कर्मचारी द्वारा अपने कर्तव्य / दिये गये कार्यों को पूर्ण करना जो उनके उच्च अधिकारी द्वारा उसे सौंपे गये हो। यह नैतिकता व कर्तव्यपालन का भाव है जो आंतरिक जवाबदेयता प्रदान करता है

सत्ता ⇄ उत्तरदायित्व

(Write above this line only)

16. 'सत्ता' को परिभाषित कीजिए।
Define 'Authority'.

सत्ता - सत्ता संगठन में निर्णय लेने व अधिकार देने में सर्वोच्चिस्तर पर उच्च अधिकारी द्वारा सौंपे गये कार्य तथा अधीनस्थ द्वारा उनका निष्पादन से सम्बंधित है। शक्ति में वैधता प्रदान करने पर सत्ता प्राप्त होती है।

शक्ति + वैधता = सत्ता

ग्लेडन - सत्ता संगठन का हृदय है।

(Write above this line only)

17. सामान्यज्ञ व विशेषज्ञों में विवाद के किन्हीं चार कारणों को लिखिए।
Write any four reasons for dispute between generalists and experts.

कारण -
1. सामान्यज्ञों को उच्च पदस्थिति व वेतन की प्राप्ति।
2. सामान्यज्ञों की नीति-निर्माण, क्रियान्वयन में विशेषज्ञों पर प्राथमिकता।
3. पदोन्नति में सामान्यज्ञों को वरिष्ठता प्रदान करना।
4. सचिवालय में मुख्य भूमिका सामान्यज्ञों की, विशेषज्ञों की नहीं
5. सामान्यज्ञों को अधिक राजनीतिक सहयोग।

(Write above this line only)

18. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यों को उल्लेखित कीजिए।
Mention the functions of Rajasthan State Election Commission.

स्थापना - 1994, 243K, 243ZA (अनु०)

कार्य - 1. पंचायत राज व नगर निगम के चुनाव करवाना
2. चुनाव चिह्न का आवंटन करना
3. मतदाता सूची का नवीनीकरण करना।
4. मतदाताओं हेतु पेयजल, छाया आदि सुविधा देना
5. उप-चुनाव करना (पंचायत आदि) 6. चुनाव आचार संहिता लगाना

(Write above this line only)

19. लोक प्रशासन के अकादमिक विकास के चरणों के नाम लिखिए।
Name the stages of academic development of public administration.

लोक प्रशासन के अकादमिक विकास के चरण – (1) राजनीति प्रशासन द्विभाजन (1887-1926)

~~हूवर रिपोर्ट (1967)~~

(2) सिद्धांतों का काल 1927-37

भारत में – मद्रास यूनिवर्सिटी
इलाहाबाद "
लखनऊ "
नागपुर – पहला विभाग
दिल्ली – IIPA
राज० – 1975 – उदयपुर
UPSC विषय – 1987

(3) चुनौतियों का काल 1938-47
(4) संकट का काल 1948-1970
(5) अंतः अनुशासनात्मक काल (नवलोक प्रशासन
(6) LPG – प्रबंध/लोक प्रशासन)

1

(Write above this line only)

20. 'संविधान के अनुच्छेद-317' पर टिप्पणी लिखिए।
Comment on 'Article 317 of the Constitution'.

317 – यह राष्ट्रपति द्वारा SC की जाँच के आधार पर अध्यक्ष सदस्यों RPSC को हटाने से संबंधित है।

2

आधार – असमर्थता, कदाचार, दिवालियापन, भ्रष्टाचार आदि आधार पर
निलंबन – राज्यपाल द्वारा किया जाता है
नियुक्ति – राज्यपाल द्वारा दी जाती है

(Write above this line only)

21. राजस्थान में पुलिस प्रशासन का पदसोपान लिखिए।
Write the hierarchy of police administration in Rajasthan.

0

DGP → IGP → SP → Add-SP → DSP → CI → Inspector → SI → ASI – कांस्टेबल

DGP – Add-DGP – DCP – ADCP → ~~RAS संभागीय आयुक्त~~

SP → RPS – CI – SI → Constable

(Write above this line only)

22. लोक प्रशासन में नियंत्रण व्यवस्था के सन्दर्भ में न्यायिक नियंत्रण के साधनों को लिखिए।
In the context of control system in public administration, write the means of judicial control.

न्यायिक नियंत्रण के साधन –

साधारण	असाधारण (रिट अधिकार)
① न्यायिक समीक्षा	① बंदी प्रत्यक्षीकरण
② आनुशासनात्मक कार्यवाही	② परमादेश
③ विभागीय कार्यवाही	③ प्रतिषेध
④ कराधान जाँच	④ उत्प्रेषण
⑤ न्यायिक पुनरावलोकन, जनहित याचिका, न्यायिक सक्रियता	⑤ अधिकार पृच्छालेख

(Write above this line only)

23. 'लखेरा पैटर्न' पर टिप्पणी लिखिए।
Write a note on 'Lakhera Pattern'.

(Write above this line only)

24. जिला कलेक्टर के कार्य निष्पादन में आने वाली प्रमुख बाधाएँ बताइये।
Explain the major obstacles faced by the District Collector in performing his work.

① कार्य की अधिकता / कार्यभार समस्या)
② कार्यकाल की अनिश्चितता
③ राजनीतिक हस्तक्षेप / दबाव
④ प्रोटोकॉल का बढ़ता कार्य
⑤ संसाधनों की कमी ⑥ ~~विभागों में समन्वय समस्या~~

(Write above this line only)

25. स्वतंत्र भारत में प्रशासनिक सुधार के उद्देश्य से सिफारिश प्रदान करने के लिए गठित की गयी प्रमुख समितियों के नाम लिखिए।
Write the names of the major committees formed to provide recommendations for the purpose of administrative reforms in independent India.

(1) ऑवांर गोस्वामी समिति - 1995 (5) अनिल बैजल समिति
(2) निर्विवेश आयोग - 1997 (6) आनीत आयोग
(3) नारायण मूर्ति समिति - 2002 (7) प्रशासनिक सुधार आयोग 1966 (वीरप्पा मोइली)
(4) मंगतम बिरला समिति - 2000

— द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग - 2006
— केन्द्र सुधार आयोग 1991
— व्यय सुधार आयोग 2001

1

(Write above this line only)

Part - B

Note : Answer the following questions in 50 words. Each question carries 5 marks.

नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. ''राज्य का मुख्य सचिव राज्य के मंत्रिमण्डल के सलाहकार के रूप में भी कार्य करता है।'' स्पष्ट कीजिए।
"The Chief Secretary of the State also acts as an advisor to the Cabinet of the State." Explain.

2

राज्य का मुख्य सचिव, राज्य का प्रशासनिक प्रमुख होता है। यह सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त वरिष्ठतम IAS अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा का जो मंत्रीमण्डल व मुख्यमंत्री का सलाहकार होता है।

राज्य प्रशासन का मुख्य समन्वयक व सम्पूर्ण प्रशासन के लिए उत्तरदायी

(1) मंत्रिमण्डल हेतु शपथ का समय निर्धारण व बैठकों की सूचना प्रदान करना।
(2) मंत्रीमण्डल को अनेक मुद्दों पर महत्वपूर्ण सलाह प्रदान करना। मंत्रीमंडल की बैठकों में भाग लेता है।
(3) मंत्रीमण्डल द्वारा सूचना चाहने पर वह सूचना उपलब्ध करना।
(4) महत्वपूर्ण / विशेष विषयों की जानकारी देना तथा समन्वयक कार्य।
(5) नीति निर्माण में सलाहकार की भूमिका। नीति
नीति निर्माण को आवश्यक रूप प्रदान करता है।

(Write above this line only)

2. सिटी पुलिस आयुक्त प्रणाली की विशेषताएँ व लाभों पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the features and benefits of the City Police Commissionerate system.

(2) कानून व्यवस्था एवं पुलिस की सारी शक्तियाँ पुलिस आयुक्त में होती है।

विशेषताएँ

① आयुक्त प्रणाली की शुरुआत - 2011 में की गई

यह वर्तमान में जयपुर व जोधपुर में लागू।

②

③ इसमें पदक्रम → पुलिस आयुक्त → उपआयुक्त → DCP → A DCP → RPS

④ जिले में पुलिस व प्रशासन को अधिक शक्तिशाली बनाना

कार्य - शान्ति भंग में गिरफ्तार व्यक्ति को जमानत, कर्फ्यू लगाना

⑤ कार्यकुशल अधिक ⑥ तीव्र माप प्रदान ⑦ कानून लागू करना

- शस्त्रों का लाईसेन्स देना आदि

लाभ - ① कलेक्टर के अतिरिक्त कार्यभार में कमी होगी

② पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था आदि आसान (आतंकवाद नियंत्रण)

③ कानूनो को लागू करने में तीव्रता ([illegible])

पुलिस कार्य शीघ्रता से

④ पुलिस का मनोबल उच्च ⑤ पुलिस अधिक कार्यकुशल करेगी

⑥ रक्षा, हथियार आदि उचित रूप से उपलब्ध।

(Write above this line only)

3. ''संगठन में प्रत्यायोजन असीमित प्रकृति का नहीं होता।'' स्पष्ट कीजिए।

"Delegation in an organization is not of unlimited nature." Explain.

(3) - उच्चस्थ अधिकारी द्वारा अधीनस्थ को प्रत्यायोजन में तात्पर्य सत्ता व अधिकार सौंपने से है। परंतु यह सीमित प्रकृति का होता है। क्योंकि इसमें प्रत्यायोजन करने के बाद अंतिम उत्तरदायित्व / सम्पूर्ण उत्तरदायित्व प्रत्यायोजक का ही होता है। प्रत्यायोजक की ही उस कार्य को समय पर पूर्ण करने की जिम्मेदारी होती है। इससे स्पष्ट होता है की सीमित समय हेतु कार्य की पूर्णता तक प्रत्यायोजित किया जाता है अधीनस्थ से कार्य पूर्णता पर सत्ता व अधिकार वापस ले लिये जाते हैं। इस प्रकार प्रत्यायोजन ~~असीमित~~ सीमित प्रकृति का होता है।

वित्तीय पर्यवेक्षण का अधिकार एवं उत्तरदायित्व का अन्तिम अधिकार

(Write above this line only)

स्वयं उच्चस्थ अधिकारी स्वयं में निहित रखता है।

4. लोक प्रशासन के प्रबंधकीय व समग्र दृष्टिकोण के समर्थ विद्वानों के नाम लिखते हुए इन दृष्टिकोणों में मूलभूत अन्तर लिखिए।
Write the names of the scholars capable of managerial and holistic approach of public administration and write the fundamental difference between these approaches.

2½

एकीकृत दृष्टिकोण	प्रबंधकीय दृष्टिकोण
(1) इसमें संगठन में कार्य करने वाले सभी कार्मिक शामिल होते हैं e.g. उच्च अधिकारी, कर्मचारी	(1) इसमें केवल उच्च अधिकारी शामिल होते हैं (POSDCORB संबंधित कार्य वाले)
प्रशासन सभी क्षेत्रों में अलग-अलग	- प्रशासन सभी क्षेत्रों में समान होता है।
(2) यह व्यापक अवधारणा है होती है	(2) यह संकुचित अवधारणा
(3) इसमें कार्यपालिका, विधायिका व न्यायपालिका शामिल	(3) इसमें केवल कार्यपालिका
(4) समर्थक - विलोबी, व्हाइट डिमॉक (white)	(4) साइमन, स्मिथबर्ग, साइमन गुलिक, फेयोल, मेरसन

(Write above this line only)

5. मुख्य सचिव व कैबिनेट सचिव में समानता-असमानता के बिन्दुओं को लिखिए।
Write the points of similarity and dissimilarity between the Chief Secretary and the Cabinet Secretary.

2½

स्पष्ट शब्द लिखें।

समानता - (1) दोनों भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी होते हैं

(2) दोनों का कार्य नीतिगत, विधिनिर्माण आदि में सलाह प्रदान करना (नीति)

(3) एक PM का सलाहकार, दूसरा CM का सलाहकार होता है

(4) प्रशासनिक रूप से प्रमुख भूमिका का निर्वहन, प्रशासन के मुख्य समन्वयक होते हैं।

दोनों ही मंत्रिमंडल के निर्णयों को क्रियान्वित करवाते हैं।

असमानता

मुख्य सचिव	कैबिनेट सचिव
(1) राज्य प्रशासन का प्रमुख	(1) यह प्रमुख नहीं होता है
(2) राज्य का वरिष्ठतम IAS अधिकारी	(2) यह वरिष्ठतम नहीं होता है
(3) विभागों का प्रमुख होता है	(3) यह विभागों का प्रमुख नहीं होता है (विभागों)
(4) मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त	(4) यह PM द्वारा नियुक्त

(Write above this line only)

6. राजस्थान लोक सेवा आयोग के कार्यों को लिखते हुए आयोग के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को लिखिए।
While writing the functions of Rajasthan Public Service Commission, write the challenges faced by the Commission.

स्थापना – 22 Dec. 1949

राज० लोक सेवा आयोग – कार्य (अनुच्छेद - 320)

① विभिन्न भर्ती परीक्षाओं का तथा साक्षात्कार का आयोजन

② राज्य को पदोन्नति, भर्तियाँ, परीवीक्षा काल आदि स्थानांतरण की सलाह प्रदान करना।

3½

③ वार्षिक प्रतिवेदन/रिपोर्ट राज्यपाल को देना ④ राज्यपाल/सरकार द्वारा सौंपे गये महत्वपूर्ण विषय/कार्य को पूर्ण करना ही।

- कार्मिक पद्धतियों के बारे में सरकार को परामर्श देना

चुनौतियाँ – ① पारदर्शिता पर उठता सवाल, भ्रष्टाचार इत्यादि

② अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति में बढ़ता राजनीतिक हस्तक्षेप

③ भर्तियों की सुनवाई हेतु न्यायालय द्वारा अधिक समय व्यतीत करना

~~④ ~~~~ प्रासंगिकता पर उठता सवाल~~

(Write above this line only)

7. भारत की प्रशासनिक संस्कृति के स्वरूप या उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the nature or characteristics of the administrative culture of India.

3½

प्रशासनिक संस्कृति से तात्पर्य भारतीय सिविल सेवा की संस्कृति से है

विशेषताएँ – ① औपनिवेशिक विरासत पर आधारित प्रशासन

② प्रशासन में जनसहभागिता का अभाव

③ कानून निर्माण/नीतियों में सामान्यज्ञों की भूमिका

④ राजनीतिक – प्रशासन समन्वय का अभाव

⑤ संविधान के प्रतिबद्धता का अभाव होना

⑥ उत्तरदायित्व, जवाबदेहिता, पारदर्शिता की कमी होना

⑦ प्रशासन का रूढ़िवादी होना ⑧ भ्रष्टाचार, लालफीताशाही अधिक

– प्रशासन में अनावश्यक विलम्ब

– प्रशासन का विशाल आकार

(Write above this line only)

– प्रतिबद्धता का अभाव

8. राजस्थान सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की पहुँच आम नागरिक तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अधिनियमित 'राजस्थान राज्य लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 पर लेख लिखिए।

Write an article on 'Rajasthan State Public Service Guarantee Act, 2011' enacted with the aim of ensuring access to the welfare schemes and services of the Rajasthan Government to the common citizen.

3½

शुरूआत - 14 नवंबर 2011 राज्य द्वारा संचालित लोककल्याणकारी योजनाओं

विशेषताएँ - (1) विधिक अधिकार (2) पारदर्शिता (3) जवाबदेहिता (4) सुस्थापितता

(5) नामांकन (6) भ्रष्टाचार में कमी लाना आदि प्रावधान करता है

प्रावधान - (1) इसके तहत (18 विभागों) की 153 सेवाएँ (वर्तमान 27, 287 सेवाएँ)

(2) यह विभागों की सभी सूचना बोर्ड पर (सूचना पट्ट पर लगाने हेतु बाध्य

(3) अपील पर सूचना देना, नहीं देने पर 30 दिन में पहली अपील (शीघ्र में निस्तारण), दूसरी अपील 60 दिन में करना, तथा अपील अधिकारी

सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के शक्तियाँ प्रदान (शपथ पत्र, प्रस्थान, गवाह, दस्तावेज) आदि

(4) न्यायालय हस्तक्षेप पर रोक (5) अपीलीय अधिकार प्रदान (6) सूचना ले सकते हैं

कमियाँ - (1) सूचना देने में देरी होना (3) न्यायालय हस्तक्षेप पर रोक होना

(2) अपील पर (21 दिन समय बाधा)

जुर्माना - 250/5000 — समय पर सूचना नहीं (अधिकतम)

500/5000 — नहीं देना सूचना (Max)

(Write above this line only)

9. सचिवालय व निदेशालय में मूलभूत अन्तर उल्लेखित कीजिए।

Mention the basic differences between Secretariat and Directorate.

3½

सचिवालय	निदेशालय
(1) सर्वोच्च प्रशासनिक इकाई	(1) सचिवालय के अधीन
(2) नीति निर्माण करना	(2) नीतियों का क्रियान्वयन
(3) "सचिवों का घर"	(3) निदेशकों का घर
(4) आकार तुलनात्मक रूप से छोटा	(4) बड़ा - आकार
(5) अंतर्विभागीय तबादले हो सकते हैं	(5) नहीं हो सकते
(6) इसका प्रमुख - मुख्य सचिव	(6) प्रमुख - निदेशक
(7) मुख्यालय - राजधानी	(7) अन्य स्थान पर भी, जैसे शिक्षा निदेशालय BKN
सचिवालय में सामान्यज्ञ अधिकारियों का वर्चस्व होता है।	विशेषज्ञ अधिकारियों व कर्मचारियों का वर्चस्व होता है।

(Write above this line only)

10. "राज्य सचिवालय की प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।" स्पष्ट कीजिए।
"State Secretariat plays an important role in administration." Explain.

3

राज्य सचिवालय राज्य की सर्वोच्च प्रशासनिक निकाय है जो प्रशासन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निम्न रूप से निभाती है

1. सलाहकार / प्रशासनिक कार्य - (i) गाड़ी, बंगला अलॉटमेंट करना
(ii) अवकाश की घोषणा करना राज्य में आदि

2. नीति निर्माण में - (i) नीतियों के निर्माण में CM व मंत्रीमण्डल को सलाह
पूर्व की नीतियों की समीक्षा करना, कमियों उजागर करना
क्षेत्रीय प्रशासनिक इकाईयों के मध्य तालमेल स्थापित करना

3. कार्मिक विभाग के रूप में - पदोन्नति, स्थानान्तरण, नई लोकसेवा भर्ती
केन्द्र व राज्य सरकारों के मध्य सम्पर्क बनाए रखना

4. प्रशासनिक नियंत्रण - अनुशासनात्मक कार्यवाही (राजपत्रित के विरूद्ध)
राज० सुनवाई अधिकार (2012) आदि

5. समन्वय कर्ता - निदेशालय व सचिवालय में समन्वय, विभिन्न विभागों में समन्वय

6. वित्त का नियंत्रण - वित्त आवश्यकता, कमी, पूर्ति आदि कार्य

7. आपदा प्रबंधन - चिकित्सा, सुविधा, भुगतान आदि इन प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका।

11. संभागीय आयुक्त के पद की प्रशासन में भूमिका पर टिप्पणी लिखिए।
Write a note on the role of the post of Divisional Commissioner in administration.

3

संभागीय आयुक्त - 1829 (विलियम बैंटिक) द्वारा, राज० में 1949 से 1962
1987 से पुनः शुरु

1. प्रशासक के रूप में - (i) जन सुनवाई कार्य, नागरिक चार्टर पूर्ति का कार्य
विभागों का निरीक्षण करना आदि

2. राजस्व अधिकारी के रूप - (i) राजस्व करों की वसूली (ii) राजस्व अधिकारियों पर नियंत्रण, कार्यालयों का निरीक्षण करना, सलाह देना आदि

3. विकास अधिकारी - (i) बाधाओं को जानना (ii) कार्य निरीक्षण
(iii) जिलापरिषदों, पंचायत समितियों आदि को सलाह प्रदान करना

4. समन्वयक के रूप में - विभिन्न विभागों, कर्मचारियों के बीच, जिला कलेक्टरों के बीच समन्वय
अन्तर्विभागीय समन्वयकर्ता

5. प्रोटोकॉल अधिकारी रूप से - PM, CM आदि आने पर

6. निर्वाचन अधिकारी के रूप में (7) आपदा प्रबंधन का कार्य

8. अन्य कार्य - जो राज्य सरकार द्वारा आवश्यक

निष्कर्ष - ? हालांकि सम्भागीय आयुक्त का पद अपनी स्थापना व सार्थकता के सन्दर्भ में विवादों में रहा लेकिन प्रशासन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही

12. परम्परागत प्रशासन, विकास प्रशासन से किस प्रकार भिन्न है? समझाइये।
How is traditional administration different from development administration? Explain.

3

परम्परागत प्रशासन	विकास प्रशासन
① 1947 से पूर्व का प्रशासन	① 1947 के बाद का प्रशासन
② कानून व नियमों का पालन करवाना (कार्यक्षेत्र सीमित)	② लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा
③ परम्परागत व रूढ़ियों पर आधारित	③ प्रशासन में नवाचार के कार्य (कार्यक्षेत्र विस्तृत और बहुआयामी)
④ जन सहभागिता का अभाव	④ जन सहभागिता पायी जाती है
⑤ लालफीताशाही, भ्रष्टाचार अधिक	⑤ इनकी कमी (तुलनात्मक रूप से)
⑥ केवल कानून पालन	⑥ कानून + लोककल्याणकारी राज्य
⑦ एकल आयामी (कार्यकुशलता व मितव्ययता पर बल)	⑦ बहुआयामी अवधारणा
⑧ नैतिकता का अभाव	⑧ नैतिकता का पालन
⑨ औपनिवेशिक आधार पर	⑨ संविधान, नियमों पर (प्रभावकारिता एवं सक्षमता पर अधिक बल)

(Write above this line only)

13. आदेश की एकता को परिभाषित करते हुए संगठन में इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
Define unity of command and throw light on its importance in the organization.

3½

आदेश की एकता – इससे तात्पर्य एक उच्चाधिकारी द्वारा दिये गये आदेश का अधीनस्थ से पालन से है।

आदेश की एकता – (एक स्रोत) (एक आदेश)

हेनरी फेयोल – संगठन में एक उच्चाधिकारी द्वारा दिये गये आदेश का अधीनस्थ द्वारा पालन।

महत्व – ① इससे संगठन में जवाबदेहिता, उत्तरदायित्व बढ़ता है
② संगठनात्मक समन्वय (शक्ति) (संगठन में स्पष्टता आती है) ③ एक आदेश : एक स्रोत सिद्धांत का पालन
④ प्रत्यायोजन व विकेन्द्रीकरण में समन्वय ⑤ संगठन में एकरूपता
⑥ अधीनस्थों में भ्रम, दुविधा आदि की समाप्ति होती है
⑦ पदसोपानिक व्यवस्था का पालन ⑧ कार्यकुशलता, मितव्ययता में वृद्धि होती है
⑨ सांगठनिक विकास होता है (Write above this line only) (कार्यों में आदेशों का दोहराव नहीं होता)

14. लोक/समाज कल्याण के प्रति सिविल सेवकों/प्रशासकों में समर्पण भाव को बढ़ावा देने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत कीजिए।
Give suggestions to promote holistic feeling among civil servants/administrators towards public/social welfare.

2

समर्पण भाव – से तात्पर्य पूर्ण क्षमता, प्रतिबद्धता से अपने कार्य को पूर्ण करना जिसमें की कार्यकुशलता, परिणाम आदि में वृद्धि।
बढ़ावा देने हेतु – (1) सत्यनिष्ठा में वृद्धि करके, इसका पालन करके ईमानदारी से समय पर कार्य पूर्ण होगा (2) प्रतिबद्धता में वृद्धि से
सिविल सेवकों की ट्रेनिंग को अधिक संवेदनशील नैतिक एवं मूल्य परक बनाना
अधिक क्षमता से कार्य (3) राजनीतिक हस्तक्षेप में कमी करके
(4) संविधान पालन, नीति नियमों व आदर्शों के पालन से
(5) वस्तुनिष्ठता को अपनाकर (6) भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार में कमी करके (7) पारदर्शिता, जवाबदेहिता, उत्तरदायित्व, कार्यपालन करके।
प्रशासन में विवेकाधिकारी शक्तियों को कम कर अधिक वस्तुनिष्ठ एवं पारदर्शी बनाया जाये

(Write above this line only)

15. नव लोक प्रबंधन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी सीमाओं/दोषों पर टिप्पणी लिखिए।
Explaining the concept of New Public Management, Comment on its limitations/defects.

नव लोक प्रबंध 1990 – नवलोक प्रबंध से तात्पर्य कार्य को अधिक उत्कृष्ट, परिणामोन्मुखी, कार्यकुशलता से करना जिसमें कार्य पूर्णता ~~लोक कल्याणकारी~~ का भाव निहित हो।

2½

अवधारणा – गेबलर व ओजबोर्न (रिइन्वेंटिंग एडमिनिस्ट्रेशन)
3 E पर निर्भर – (1) Economy (2) Efficiency (3) Effectiveness
सीमाएँ
(1) यह केवल कार्य का परिणाम प्राप्ति, निर्देशन की बात करता है
(2) यह मितव्ययता, कार्यकुशलता की बात करता है लोक कल्याणकारी कार्य का अभाव।
(3) इसका उद्देश्य संगठन के उद्देश्यों की प्राप्ति है
(4) सामाजिकता व नैतिकता का अभाव
ये अवधारणा विकसित देशों की उत्पन्न है जो लोक उत्तरदायित्व की कीमत पर प्रबंधकीय स्वायत्तता प्रदान करती है।

(Write above this line only)

16. राजस्थान लोकायुक्त संस्था को प्रभावशाली बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत कीजिए।

Give suggestions to make the Rajasthan Lokayukta institution effective.

राजस्थान लोकायुक्त की स्थापना 1973 अधिनियम से

प्रभावीशाली बनाने के उपाय → (1) लोकायुक्त की नियुक्ति हेतु एक आयोग गठित किया जावे

2 1/2

(2) इसके दायरे को विस्तृत कर pm की तर्ज पर cm, अन्य सरपंचों तक इसको बढ़ाया जावे।

(3) इसके 5 साल से भी पुराने मामलों की जांच का अधिकार प्रदान किया जावे। लोकायुक्त के आदेश में सरकार द्वारा किये जाने वाली दखलंदाजी को खत्म किया जावे

(4) सलाहकारी निकाय। कार्मिकों का गठन बनाया जावे।

(5) इसके कार्यों का डीजीटलीकरण किया जावे जिससे कार्य तीव्र

(6) इसे न्यायिक शक्तियाँ, जुर्माना जमा प्रदान करने का अधिकार दिया जावे। लोकायुक्त संस्था में मानव संसाधनों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

(Write above this line only)

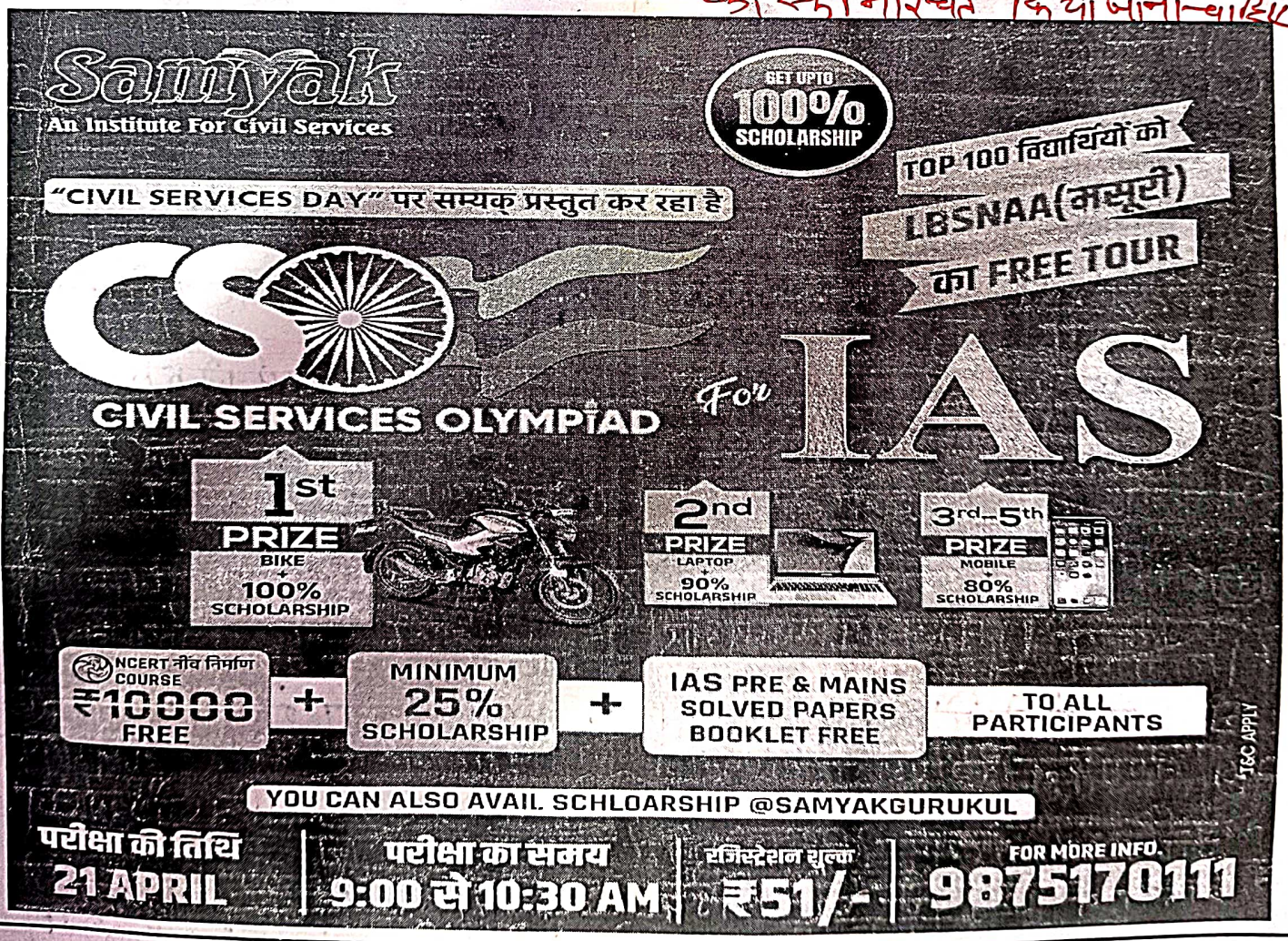

Part - C

Note : Answer the following questions in 100 words. Each question carries 10 marks.

नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. प्रशासन में 'पार्श्विक प्रवेश' के उद्देश्य बताते हुए इसके पक्ष-विपक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए।
Explaining the objectives of 'lateral entry' in administration, present arguments for and against it.

5

प्रस्तावना = ? = नीति आयोग द्वारा 2017 में, तीन साल के एक्शन प्लान में

पार्श्विक प्रवेश – पार्श्विक प्रवेश से तात्पर्य "सीधी entry" से है नीजि क्षेत्र के विशेषज्ञों –

जिनके तहत प्रशासनिक / मन्त्रालयों हेतु सामान्यज्ञों की

पार्श्विक प्रवेश "सही भूमिका के लिए सही प्रतिभा" के सिद्धान्त पर कार्य करेगी।

तरह लेटरल Entry प्रदान करके विशेषज्ञों को भी उच्च पदों पर पहुँचाया जा सकता है। जिससे सामान्यज्ञ – विशेषज्ञ विवाद भी समाप्त होगा।

लेटरल एंट्री से तात्पर्य उच्च पदों पर सीधी नियुक्ति प्रदान करने से है।

उद्देश्य = ?

पक्ष	विपक्ष
(1) इससे योग्य / अधिक योग्यता वाले लोगों को प्रशासन में मौका।	(1) इससे सामान्यज्ञ के रहते पद कुठाराघात होगा।
(2) विकासशील देशों में तकनीक व वैज्ञानिक अनुसंधान वाले व्यक्तियों की अधिक आवश्यकता	(2) विकासशील देशों में अनुभवी व पुराने सामान्यज्ञों की अधिक महत्ता
(3) इससे उच्च पदों पर अधिक योग्यताधारी व्यक्तियों की नियुक्ति होगी	(3) सामान्यज्ञों पर विशेषज्ञों की नियुक्ति से अपरिपक्व नियुक्ति का डर
(4) इससे कार्यकुशलता व नवाचार बढ़ेगा [मितव्ययता, दक्षता और प्रभावशीलता के मूल्यों]	(4) प्रशासन में अधिक जटिलता वृद्धि होगी
(5) कार्यशैली में विकास में वृद्धि	(5) तकनीक से समाधान संभव नहीं (हर समाधान)
(6) सामान्यज्ञ विशेषज्ञ विवाद खत्म	(6) सामान्यज्ञ – विशेषज्ञ विवाद निपटान के और अन्य उपाय

समय के साथ व्यक्तियों की विशेषज्ञता की बढ़ती माँग को पूरा किया जा सकता है।

इस प्रकार लेटरल एंट्री विकसित देशों के समान बिना किसी प्रक्रिया के उच्च पदों पर योग्य व्यक्तियों की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त होगी।

विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति जो प्रशासन में प्रवेश करेगा उसको धरातल/स्थान की पिछड़े व गरीब क्षेत्रों में कार्य का अनुभव नहीं होगा। जिससे ...

2. वैज्ञानिक प्रबंधन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इससे प्राप्त होने वाले लाभों को लिखिए तथा प्रबंधन की इस अवधारणा के आलोचनात्मक बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए।

Explaining the concept of scientific management, write down the benefits derived from it and throw light on the critical points of this concept of management.

2 1/2

→ टेलर द्वारा – फ्रेडरिक विंसलो टेलर

वैज्ञानिक प्रबंधन अवधारणा – इससे तात्पर्य विज्ञान की तरह ही सार्वभौमिक सिद्धांतों, नीतियों, नियमों का होना। जो भी प्रबंधन का कार्य करते हैं। इसी प्रकार प्रबंधन में नियोजन, संगठन, बजटिंग, रिपोर्टिंग, समन्वय आदि विज्ञान की तरह ही सर्वमान्य सिद्धांत हैं उसके आधार पर निष्कर्ष व परिणामों को प्राप्त किया जाता है यह प्रबंधन को विज्ञान बनने का दावा प्रदर्शित करते हैं।

वैज्ञानिक अनुसंधान, विश्लेषण, नियमों के सिद्धान्तों के आधार पर न्यूनतम व्यय पर अधिकतम लाभ को प्राप्त किया जा सकता है। क्रमानुसार लिखें। प्रबंधवर्ग को लाभ | उपभोक्ता वर्ग/राष्ट्र को लाभ | श्रमिक वर्ग को लाभ

लाभ – (1) इससे विज्ञान की तरह ही सर्वमान्य सिद्धांतों का विकास होगा।
(2) इससे प्रशासन में अधिक कितव्ययतापूर्ण, कार्यकुशलतापूर्वक कार्य पूर्ण होगा। (3) इसके परिणाम सर्वमान्य होंगे।

अवधारणा का जनक – टेलर, फ्रेडरिक विंसलो थे, इन्होंने संगठन में कार्यकुशलता, विशिष्टीकरण, तर्कसंगतता पर जोर दिया।

(4) मध्य – नियोजन कार्य

कार्यात्मक फोरमैनशिप – पर्यवेक्षण हेतु नियुक्ति

(4) अधि क्रियान्वयन कार्य

पीस रेट सिस्टम – इसके अनुसार कार्य के आधार पर वेतन प्रदान किया जाता है।

आलोचना – (1) इसने केवल कार्यकुशलता पर ध्यान दिया।
(2) सामाजिक व मनोवैज्ञानिक कारकों का अभाव। अंगूठा नियम द्वारा आलोचन।
(3) अधिक कठोर प्रणाली होने से कार्य उत्पादन की गिरावट
(4) तर्कसंगतता, विशिष्टीकरण पर अधिक जोर। टेलर ने मानव को मशीन की तरह बनाया।

इस प्रकार यह वैज्ञानिक प्रबंधन। जो निश्चित समय में कार्य पूर्णता हेतु बाँधती है।

(Write above this line only)

3. निगमित शासन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी विशेषताएँ बताइये तथा भारत में निगमित शासन की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

Explain the concept of corporate governance and explain its characteristics and throw light on the need of corporate governance in India.

6

निगमित शासन - निगमित शासन से तात्पर्य कम्पनियों के सन्चालन को व्यवस्थित व संयमित करने हेतु पारदर्शिता, उत्तरदायित्व नैतिक मूल्यों, जवाबदेहिता, सुसंगता आदि का विकास जिसमें निश्चित नियमानुसार सन्चालन हो। हो जिससे समाज व शेयरधारकों के हितों की रक्षा होती है नीतियों एवं कार्यप्रणाली में सामाजिक सुधार लाने को दिशा

विशेषताएं - (1) 1929 के आर्थिक मंदी दौर बाद उठी मांग के आधार (2) गठित समितियों थाम्पेल, कडबरी, हेम्पल की मांग पर कॉरपोरेट अनुशासन के रूप में संगठन की संस्कृति को अभिव्यक्त करता है

(3) इससे पारदर्शी व जवाबदेहिता पूर्ण शासन होगा।

(4) लोककल्याणकारी राज्य की स्थापना होगी (5) भ्रष्टाचार में कमी

(6) आर्थिक-सामाजिक विकास (7) पर्यावरण, समावेशी, सर्वांगीण विकास होगा (8) महिला, बालकों आदि के हितों की रक्षा

(9) पर्यावरण संरक्षण विकास, धारणीय विकास, प्रदूषण मुक्ति। शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा पर बल

आवश्यकता - (1) भारत में कुमारमंगलम बिड़ला समिति (1995), निरेश चन्द्र समिति, नारायण मूर्ति समिति व मंगलम बिड़ला समिति की मांग (2) महिला, बालकों, वृद्धजनों आदि के हितों की रक्षा (3) शेयरधारकों के हितों की रक्षा

(4) कार्य समय, अवकाश, प्रसूति सहायता आदि (5) पर्यावरणीय, समावेशी सहभागिता, धारणीय विकास की मांग (6) भ्रष्टाचार में कमी हेतु इनसाइडर ट्रेडिंग पर रोक लगाने के लिए प्रतिभूति बाजार से जुड़े लोगों को प्रशिक्षित करने व निवेशकों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए

भारत में निगमित शासन हेतु 2013 में CSR लाया गया जिसमें कम्पनी 2% राशी आर्थिक-सामाजिक कल्याण हेतु तथा अनिल बैजल समिति की सिफारिश पर स्वच्छता, आंगनबाड़ी प्रोजेक्ट आदि में उपयोग

(Write above this line only)

4. ई-गवर्नेंस की आवश्यकता के कारणों को लिखते हुए इसके कुशल संचालन में आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डालिए तथा ई-गवर्नेंस व पारम्परिक प्रशासन में अन्तर बताइये।

While writing the reasons for the need of e-governance, throw light on the problems arising in its efficient operation and explain the difference between e-governance and traditional administration.

5

ई-गवर्नेंस - इससे तात्पर्य प्रशासन को इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से जोड़कर तीव्र व समावेशी विकास से है जो अधिक कार्यकुशल नागरिकों और व्यवसायों को दी जानेवाली सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाते हुए - तीव्र, समावेशी है। सिद्धांत - Minimum Govt maximum Governance

कारण - ① पारम्परिक उद्योगों / लोकउपक्रमों द्वारा कोई प्रगति समाज के अनुरूप बढ़ती आवश्यकताओं के अनुसार बनाने के लिए
② नागरिकों की अधिकारों की जागरूकता हेतु।
③ समावेशी विकास की मांग ④ भारतीय व महत्वाकांक्षीय विकास की मांग का उठना ⑤ वर्तमान में शिक्षा, स्वास्थ्य आदि में ई-गवर्नेंस की आवश्यकता हेतु ⑥ बढ़ता कार्यक्षेत्र ⑦ तकनीक युग में प्रतिस्पर्धा हेतु प्रशासन में जनसहभागिता बढ़ाने के साथ प्रभावी जनशिकायत निवारण के लिए ⑧ वित्त की कमी ⑨ कार्यभार कम करने हेतु

समस्याएँ - ① आधारभूत ढांचे की समस्या ② तकनीक की कमी
③ ज्ञान व समझ की कमी ④ भ्रष्टाचार ⑤ लालफीताशाही
⑥ निरक्षता बढ़ने का दबाव ⑦ गरीबी, बेरोजगारी का होना जनता में ई-साक्षरता का अभाव
⑧ लोककल्याणकारी रूप में कमी नहीं कर पाना मंत्रालयों के बीच समन्वय की कमी

ई गवर्नेंस	पारम्परिक प्रशासन
① तीव्र व समावेशी कम्प्यूटर आधारित	① धीमा सम्प्रेषण, कार्य समय अधिकता कागजी फाइलों पर -
② तकनीक का उपयोग	② पारम्परिक तरीकों से ही
③ कार्यबोझ कम लक्ष्य उन्मुखी	③ कार्यबोझ अधिक निरीक्षण उन्मुखी
④ समयोन्मुखी व परिणामोन्मुखी	④ कार्यपूर्णता लक्ष्य

अतः ई गवर्नेंस भारत के Minimum govt, Maximum Governance के लक्ष्य प्राप्ति में मील का पत्थर साबित होगी।

5. निम्न बिन्दुओं पर टिप्पणी कीजिए।/Comment on the following points.

1. उत्तरदायित्व, जवाबदेयता से भिन्न है।/Responsibility is different from accountability.

2. संसदीय नियन्त्रण का साधन 'प्रश्नकाल/'Question Hour', a means of parliamentary control.

4

उत्तरदायित्व	जवाबदेहिता
① यह नैतिक गुण है। कर्तव्यबोध से युक्त विचार	① इसमें बाध्यता है। कानूनी बाध्यता से प्रभावित
② यह आंतरिक / अंतर्मन पर निर्भर करती है	② यह औपचारिक नियमों व नियमों पर निर्भर
③ यह स्वविवेक पर निर्भर करती है	③ इसे नियमों अनुसार पूर्ण करना बाध्यता।
④ इसमें नैतिकता के साथ कर्तव्यपरायणता होती है अतः ⇌ उत्तरदायित्व	④ इसमें नैतिकता + बाध्यता होती है। जवाबदेयता एक बाहरी एवं वस्तुनिष्ठ स्थिति है जो संगठनात्मक नियमों पर निर्भर करती है

② प्रशासन पर नियंत्रण हेतु प्रश्नकाल (11-12 AM) अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इसमें प्रश्नों के माध्यम से नियंत्रण किया जाता है। (प्रश्न पूछकर)

① तारांकित – यह मौखिक रूप से पूछे जाने वाले प्रश्न जिसमें अनुपूरक प्रश्न भी पूछ सकते हैं। उत्तर मौखिक रूप से

② अतारांकित प्रश्न – इसमें लिखित रूप से प्रश्न पूछे जाते हैं। 10 दिन पूर्व सूचना पर अनुपूरक प्रश्न नहीं

③ शीघ्र उत्तर – यह शीघ्र उत्तर वाले प्रश्न | अल्पसूचना प्रश्न | 10 दिन से कम सूचना – अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न – मौखिक उत्तर

④ शून्यकाल – (12AM-1PM) यह भारतीय संसद की देन। मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं।

(Write above this line only)

6. निम्न बिन्दुओं पर लेख लिखिए/टिप्पणी कीजिए।/Write article/Comment on the following points.

1. परिवर्तन के प्रबंधन के चरण व उद्देश्य/Steps and objectives of change management

2. औपचारिक व अनौपचारिक संगठन में अंतर/Difference between formal and informal organization

(4)

① परिवर्तन का प्रबंध – इससे तात्पर्य संगठन में आंतरिक तथा बाह्य रूप से परिवर्तनों का अध्ययन (संरचनात्मक, व्यवहारात्मक एवं प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों को लागू करना) तथा संगठन को पुनः व्यवस्थित व सुव्यवस्थित करने से है।

चरण/उद्देश्य → ① सबसे पहले आंतरिक, बाह्य व तकनीकी (समस्या की पहचान) कारणों का अध्ययन करना ② रोधी/प्रतिरोधी का अध्ययन करना ③ प्रतिरोधी को हटाने हेतु योजना बनाना ④ उसे संगठन के अध्ययन अनुसार ढालकर/बदलकर पुनः सुव्यवस्थित करना ⑤ इस प्रकार सुव्यवस्थित तरीके से कार्य को बदला जाता है → मूल्यांकन → संगठन में स्थायी रूप से लागू करना

(महत्वपूर्ण तथ्य क्रमानुसार लिखें)

उद्देश्य – ⑥ इससे संगठन अधिक कार्यकुशल, सृजनात्मक, जनहितैषी, उत्तरदायी, पर्यावरण हितैषी, पारदर्शी, वर्तमान प्रतिस्पर्धा के अनुरूप कार्यकुशल, तीव्र उत्पादक और क्रियाशील बनेगा।

② औपचारिक	अनौपचारिक
① यह निश्चित नियमों पर आधारित	① यह नियम व कानूनों से हीन
② निश्चित पदक्रम, पदसोपान	② इनका अभाव
③ बाध्यता पूर्वक नियमों का पालन	③ बाध्यता के बजाय आंतरिक दबाव
④ भय या दण्ड का/जुर्माना	④ जुर्माना आदि स्वेच्छा पर
⑤ सरकार का हस्तक्षेप रहता है	⑤ निजी संस्थाओं द्वारा संचालित
⑥ स्थायी नियमों द्वारा निर्देशित	⑥ अस्थायी (नियमों का अभाव) e.g. Jio कम्पनी
e.g. नीति आयोग	

7. जिला प्रशासन में जिलाधीश के द्वारा निर्वहन की जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the various roles performed by the District Magistrate in the district administration.

6½

जिला प्रशासन - यह गाँव व राज्य के बीच कड़ी होता है इसके द्वारा शान्ति, राजस्व, कानून व्यवस्था आदि कार्य किये जाते हैं यही सरकार राज्य व जिले के बीच समन्वय स्थापित करता है।

कार्य - ① प्रशासक के रूप में - जिले में जन सुनवाई, नागरिक आपूर्ति कार्य, समस्या निदान

② राजस्व अधिकारी के रूप में - (i) राजस्व का संग्रहण - भूमिकर, वनकर, सिन्चाई कर आदि
(ii) राजस्व मामले में जमानत का कार्य
(iii) भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण, विवाद आदि मामले
(iv) राजस्व अधिकारियों पर नियंत्रण व महत्वपूर्ण अभिलेखों का भू-राजस्व व्यवस्थापना अपने अधीनस्थ तहसीलदार, गिरदावर आदि द्वारा संधारण

③ दण्डनायक के रूप में - ① शान्ति व कानून व्यवस्था बनाये रखना
② शोकिंग आदि में जमानत प्रदान करना
③ जिले में 144, 144A लागू करना। साथ ही PESA, रासुका आदि लागू
④ थानों व जेलों का निरीक्षण ⑤ हथियार लाइसेंस ⑥ रैली स्वीकृति

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के रूप में

④ विकास अधिकारी - विकास में योजनाओं का अनुश्रवण, सलाह देना आदि

⑤ प्रोटोकॉल कार्य - PM, CM, ~~MP~~ आदि के आने पर प्रोटोकॉल देना

⑥ निर्वाचन अधिकारी - MP, MLA, PR आदि के चुनाव में निर्वाचन अधिकारी, मतदाता सूची नवीनीकरण, आचार संहिता आदि

⑦ समन्वयक - विभिन्न विभागों, कर्मचारियों में समन्वय प्रदान करना

⑧ आपदा प्रबंधन अधिकारी - आपदा के समय त्रिस्तरीय सहायता, मुआवजा आदि प्रदान करना

⑨ आपात्कालीन परिस्थितियों में सहायता व मुआवजा

⑩ सांख्यिकी अधिकारी - जनगणना, पशुगणना आदि

इस प्रकार जिलाधीश प्रशासन की आँख, कान, नाक होता है।

हिन्दी व्याकरण- उपसर्ग, प्रत्यय एवं अंग्रेजी अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद

1. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग पृथक कीजिए-

अंक- 5

(i) अपितु = अ 0

(ii) स्वच्छ = सु 1

(iii) पर्याप्त = परि 1

(iv) अन्वय = अनु 1

(v) दुशशासन = दुश् X 0

2. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय पृथक कीजिए-

अंक- 5

(vi) चरागाह = आगाह गाह 0

(vii) दैत्य = य 1

(viii) मार्कण्डेय = एय 1

(ix) दौहित्र = त्र अ 0

(x) दाशरथि = ई इ 0

3. अनुवाद दिए हुए अंग्रेजी अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद (शब्द सीमा- लगभग 75 शब्द) अंक- 10

Each successive means of wider communication seems to have evolved the answer to some need in the developing world. Speech must have become necessary when ideas grew beyond primitive needs, and required expression more varied than gesture could supply. Writing must have accompanied the growth of social groups of priesthood of leadership and the dawn of literature and speculation. Printing was the medium through which the Renaissance Knowledge and spirit were spread abroad, and heralded the birth of what we call modern world, broadcasting and other forms of electrical communication have sprung up to meet the urgent requirements of a world which must perish unless it can devise an organisation capable of expressing its human and economic unity. The need for rapid interchange of news and views, for familiarizing each country with the ideas and habits of all other countries and above all the need for an education which may fit men and women, literate and illiterate. For the complicated world of tomorrow-all these needs should find in broadcasting an instrument marvellously fitted to serve them.

6½

अशुद्धप्राय

वर्तनी सम्बधित अशुद्धियाँ कम करें

~~विकसित~~ दुनिया में फैला हुआ संचार सफलता पूर्वक किसी विकासशील आवश्यकता की पूर्ति करता है। यह विचार अतिआवश्यक बन जाते हैं जब विचार सीमा से परे हो और अधिक सफलता प्रदान करने वाले हो। लिखित माध्यम ही शिक्षा और विशिष्टता साथ ही सामाजिक समूह की वृद्धि को नेतृत्व प्रदान करता है। प्रिंटिंग ही वह माध्यम है जो पुनर्जागरण ~~के भाव~~ ~~भावना~~ (ज्ञान व भावना पुनर्जागरण रूपी) को दूर तक फैलाता है जितनी ही वर्तमान विश्व की जरूरत है इसके साथ ही जरूरी व आवश्यक चीजों का संचार कोर्ट ने फैलाया है और संस्थाओं को विकसित बनाया जिसमें मानव व आर्थिक एकता बढ़ी है तीव्र संचार हेतु समाचार और विचारों के, और बढ़ती आवश्यकता विचारों की तथा साथ ही शिक्षा महिलाओं, आदि की पूर्ति साक्षरता आदि की पूर्ति हेतु। आगामी जटिलता पूर्ण विश्व की जरूरतों को पूरा करने में यह प्रसारण तीव्र ही साबित होगा।

मुद्रण अन्य पुनः जागरण के ज्ञान और विचारधारा का एक माध्यम के रूप में

विद्युत द्वारा संदेश प्रसारण विश्व की अत्यावश्यक मांग को पूरा करने हुआ

English Grammer – One word Substitute and Letter Writing

(A) Write a one-word substitute for the following expressions. (Q. No. 1-10) Marks : 10×1 = 10

1. Literary theft or passing off an author's original work as one's own.

autobiography (0)

आत्मकथा plagiarism

साहित्य की चोरी

2. A place where water is collected and stored.

TANK (1)

3. One who studies the evolution of mankind.

philionthrophist (0)

4. A language no longer spoken.

dead language (1)

5. An imaginary land with perfect social order.

(1)

Ideal state

6. A state of being married

~~marital~~ Matrimony 0

7. Government by the inexperienced persons.

Aristocracy 1

8. The science or Art of flight.

Connoisseur 0

9. A person who writes beautiful writing.

Dexterious 1

10. The cultivation of flowers, fruits, vegetables and ornamental plants.

Horticulture 1

(B) Write a letter to your local MLA requesting him to establish libraries at various places in your locality in about 150 words.

Marks : 10

3½

XYZ

Police Line Ajmer

22 March 2022.

An MLA (Name)

Shastri nagar

Ajmer

Subject :- To establish libraries at vaious place in city/locality.

Sir

I would like to draw your kind attention towards the neccassory thing which is very helpful for the pleople of city. If I talk about the need of library in my city

① nowhere library in near my library,

② for the good study environment a.

so, I hope you should take fast and fruitful decison.

Thanking you

Yours faithfully

XYZ

(XYZ)

Sincerely.

Samyak
An Institute For Civil Services
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
"CIVIL SERVICES DAY" पर सम्यक् प्रस्तुत कर रहा है
TOP 100 विद्यार्थियों को
LBSNAA(मसूरी)
का FREE TOUR
CIVIL SERVICES OLYMPIAD For RAS
1st PRIZE
BIKE + 100% SCHOLARSHIP
2nd PRIZE
LAPTOP + 90% SCHOLARSHIP
3rd-5th PRIZE
MOBILE + 80% SCHOLARSHIP
NCERT नींव निर्माण COURSE ₹10000 FREE
+
MINIMUM 25% SCHOLARSHIP
+
RAS PRE & MAINS SOLVED PAPERS BOOKLET FREE
TO ALL PARTICIPANTS
T&C APPLY
YOU CAN ALSO AVAIL SCHLOARSHIP @SAMYAKGURUKUL
परीक्षा की तिथि
21 APRIL
परीक्षा का समय
9:00 से 10:30 AM
रजिस्ट्रेशन शुल्क
₹51
FOR MORE INFO
9875170111